

[This question paper contains 4 printed pages.]

(12)

Your Roll No. 2023



Sr. No. of Question Paper : 3187

Unique Paper Code : 62277603

Name of the Paper : Economic Development and Policy in India- II

Name of the Course : CBCS B.A. (Prog.), DSE

Semester/Annual : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

### Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. This paper consists of 8 questions.
3. Answer any 5 questions
4. All questions carry equal marks
5. Answers may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper

### छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. इस पत्र में 8 प्रश्न हैं।
3. किसी भी 5 सवालों के जवाब दें।
4. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
5. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. The monetary policy framework in India has evolved over the past few decades in response to financial developments and changing macroeconomic conditions. Discuss in detail.

भारत में मौद्रिक नीति ढांचा पिछले कुछ दशकों में वित्तीय विकास और बदलती व्यापक आर्थिक स्थितियों के अनुसार विकसित हुआ है। विस्तार से चर्चा करें।

2. Provide a detailed overview and evaluation of the land reform policy adopted in India at the time of independence.

स्वतंत्रता के समय भारत में अपनाई गई भूमि सुधार नीति का विस्तृत अवलोकन और मूल्यांकन प्रदान करें।

3. Examine the evolution of Indian agriculture and allied sectors in the six decades after independence. What have been the main forces that have contributed to this evolution and transformation?

स्वतंत्रता के बाद के छह दशकों में भारतीय कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में विकास की जांच करें। इस विकास और परिवर्तन में योगदान देने वाले मुख्य ताकतें क्या रही हैं ?

4. "The thrust of the New Economic Policy, 1991 has been towards creating a more competitive environment in the economy as a means to improving the productivity and efficiency of the system". Evaluate and discuss.

“नई आर्थिक नीति, 1991 को जोर, प्रणाली की उत्पादकता और दक्षता में सुधार के लिए, अर्थव्यवस्था में अधिक प्रतिस्पर्धी वातावरण बनाने की ओर रहा है। मूल्यांकन करें और चर्चा करें।

5. There is a need to reimagine the role of domestic financial institutions to provide long-term credit for capital intensive industries, infrastructure and exports. Discuss.

पूंजी गहन उद्योगों, आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र (इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर) और निर्यात के लिए दीर्घकालिक ऋण प्रदान करने के लिए घरेलू वित्तीय संस्थानों की भूमिका की समीक्षा करने की आवश्यकता है। चर्चा करें।

6. "The policy paradigm of focusing on domestic demand and increasing the trade restrictions in post covid era, is a recipe for mediocre growth of the Indian economy." Do you agree with this view? Discuss.

“कोविड के बाद के युग में घरेलू मांग पर ध्यान केंद्रित करने और व्यापार प्रतिबंधों को बढ़ाने के नीतिगत प्रतिमान से भारतीय अर्थव्यवस्था की औसत वृद्धि होगी।” क्या आप इस विचार से सहमत हैं ?

7. Provide an overview of trends in growth, employment, trade and capital flows in India's service sector in recent years.

हाल के वर्षों में भारत के सेवा क्षेत्र में विकास, रोजगार, व्यापार और पूंजी प्रवाह के रुझानों का अवलोकन प्रदान करें।

8. Write short notes on **any two** of the following:

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

- (a) Privatisation policy of government of India

भारत सरकार की निजीकरण नीति

- (b) India's international engagements in services in the context of multilateral and preferential trade negotiations

बहुपक्षीय और तरजीही व्यापार वार्ताओं के संदर्भ में सेवाओं में भारत की अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी

- (c) Agrarian distress in India in recent years

हाल के वर्षों में भारत में कृषि संकट

- (d) Paradigm of macroeconomic stability

व्यापक आर्थिक स्थिरता का प्रतिमान

(7.5 × 2)

(2000)